दिनांक 30 अक्टूबर, 2018 को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा संबंधित विषयों का ज्ञान कराने के लिए आयोजित ''मिशन साहसी'' कार्यक्रम में माननीया राज्यपाल के अभिभाषण के मुख्य बिन्दु:-

- मुझे छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा से संबंधित विषयों का ज्ञान सुलभ कराने ''मिशन साहसी'' कार्यक्रम संचालित करने पर प्रसन्नता हो रही है। छात्राओं को आत्मरक्षा की तकनीक सिखाने की दृष्टि से आयोजित इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर अपार प्रसन्नता हो रही है।

- यह बहुत सुखद है कि यह छात्र संस्था इस प्रकार के कार्य हमारी छात्राओं के मनोबल में वृद्धि लाने हेतु प्रयास कर रही है। मैं इसकी दिली सराहना करती हूँ।

- शास्त्रों में कहा गया है- जहाँ स्त्रियों की पूजा की जाती है, वहाँ देवता निवास करते हैं। इससे अभिप्राय है कि प्रारंभिक काल से ही हमारे समाज में नारियों को सम्मान की दृष्टिकोण से देखा जाता रहा है। हाल ही में दुर्गा पूजा सम्पन्न हुआ है। माँ दुर्गा स्त्री साहस की प्रतीक है।

- महिलाएँ सदैव हमारी सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक व्यवस्था की रीढ़ रही हैं। आज महिलाएँ सिर्फ सामाजिक-आर्थिक रूप से स्वावलंबी ही नहीं है, बल्कि वे नीति-निर्माता के रूप में सामने आ रही है।

- जहाँ तक आधुनिक समाज की बात है, छात्राओं ने अवसर प्राप्त होने पर सभी क्षेत्रों में पुरुषों के समान ही सफलतायें

अर्जित की है। उन्होंने अपनी प्रतिभा से अपने समाज एवं राष्ट्र को गौरवान्वित करने का कार्य किया है। उन्होंने अपनी प्रतिभा एवं लगन से यह सिद्ध कर दिया है कि वे पुरूषों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं है। उन्होंने अपनी प्रतिभा से हर मुकाम को प्राप्त किया है, प्रत्येक पद को अपने कार्यों से सुशोभित किया है।

- हमारी छात्राएँ निर्भिक होकर अध्ययन करें एवं लक्ष्य की प्राप्ति करें, इस हेतु **Martial Arts,** जूडो/कराटे आदि का प्रशिक्षण का आवश्यक है। मैंने छात्राओं की सुरक्षा की दिशा में सभी विश्वविद्यालयों से कहा कि वे अपने यहाँ पढ़नेवाली छात्राओं को आत्मरक्षा करने की प्रशिक्षण सुलभ करायें।
- मैं चाहती हूँ कि हमारी छात्राएँ आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहे। वे कदापि असामाजिक प्रवृत्ति लोगों से भयभित होकर लक्ष्य से नहीं भटकें। चुनौतियों का सामना करें और आत्मरक्षा की तकनीक से भिज्ञ हों।
- छात्राओं को किसी भी प्रकार की परेशानी हो तो घर में खुलकर चर्चा करनी चाहिये। उसे मन में ही दबाकर सदैव चिन्तित नहीं रहना चाहिये।
- सभी छात्राएँ अन्य छात्राओं के साथ सहयोगात्मक रूख रखें। कभी किसी पर विपत्ति आने पर सब मिलकर सामना करें। सदैव ध्यान रखें कि एकता में असीम ताकत होती है। साथ ही पुलिस एवं कॉलेज को जरूर सूचना दें।
- महिला सुरक्षा हेतु विश्वविद्यालय प्रशासन और पुलिस महकमा को निदेशित किया गया है। मैं चाहती हूँ कि हर बालिका स्वस्थ एवं बेहतर वातावरण में पढ़ाई करे। वे अपने

Moral को उच्च रखें, किसी से नहीं डरें और लक्ष्य की प्राप्ति करें।

- समाज में कभी-कभार ऐसी घटनायें घटी हैं कि हमारी बच्चियों के अभिभावक भी पढ़ाई के प्रति चिन्तित रहते हैं। मैं उनकी चिन्ता समझ सकती हूँ लेकिन घबराये नहीं। क्योंकि हमारी बेटियाँ ऐसी असामाजिक प्रवृत्ति वाले लोगों का सामना करने में सक्षम है। उन्हें निडर बनने हेतु आप सब प्रोत्साहित करें।
- निडरता, आत्मविश्वास की पहली सीढ़ी है। आत्मविश्वास से परिपूर्ण छात्राएँ जिस किसी भी क्षेत्र में जायेंगी, वहाँ अपनी कामयाबी के झंडे आवश्य गाड़ेगी।
- इस परिप्रेक्ष्य में मुझे पूर्ण आशा है कि अखिल भारतीय परिषद् द्वारा छात्राओं के आत्मरक्षा हेतु आयोजित यह कार्यक्रम ''मिशन साहसी'' अत्यन्त सार्थक है। समाजहित में यह जनोपयोगी है। यह छात्राओं को निडर एवं निर्भिक बनाकर शैक्षणिक संस्थान में ज्ञान प्रदान करने की दिशा में सराहनीय है।
- अन्त में एक बार पुनः सभी आयोजकों का ऐसे कार्यक्रम को धरातल पर उतारने हेतु सोच की प्रशंसा करती हूँ।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!